हम विद्यार्थियों को पूर्ण मानव बनाने का प्रयास करते है–डा. बिष्ट

पंतनगर। 5 नवम्बर, 2009। पंतनगर विष्वविद्यालय में प्रवेष पाए विद्यार्थियों को यह विष्वविद्यालय एक सम्पूर्ण मानव के रुप में बनाने का प्रयास करता है। यह बात आज विष्वविद्यालय के कुलपति डा. बी. एस. बिष्ट ने गांधी हाल में नवागंतुक विद्यार्थियों हेतु आयोजित अभिनवीकरण कार्यक्रम में बोलते हुए कही। डा. बिष्ट इस कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे थे। विश्वविद्यालय के सभी अधिष्ठाता, कुलसचिव, अधिष्ठाता छात्र कल्याण एवं निदेशक सेवायोजन एवं परामर्श ने विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय सम्बन्धी जानकारियाँ दीं।

डा. बिष्ट ने कहा कि विद्यार्थियों के लिए विष्वविद्यालय में श्रेष्ठ षिक्षण की व्यवस्था के साथ–साथ अत्याधुनिक उपकरणों से युक्त प्रयोगषालाए परिसर व बाह्य परिसर स्थित 30 शोध केन्द्र तथा एक वृहद फार्म उपलब्ध है। इनके अतिरिक्त छात्रावास व विष्वविद्यालय स्तर पर खेलकूद, सांस्कृतिक व अन्य षिक्षणेत्तर कार्यकलापों की अच्छी सुविधाएं उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि सभी विद्यार्थियों को इन सब सुविधाओं का लाभ उठाकर अपने व्यक्तित्व का सर्वागीण विकास करते हुए अपने–अपने क्षेत्रों में अगली पंक्ति में अपना स्थान बनाना चाहिए। डा. बिष्ट ने नवागंतुकों को इस विष्वविद्यालय में प्रवेष के इच्छुक लगभग 10,000 आवेदकों का 3.5 प्रतिषत बताते हुए उन्हे योग्यवान कहा तथा उनसे अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी मेधा का लोहा मनवाने का आह्वान किया। कुलपति ने सभी नवागंतुकों को सदाचार, नैतिकता, सहिष्णुता व सौहार्द अपनाने की शपथ भी दिलायी।

इससे पूर्व अधिष्ठाता, कृषि व्यवसाय प्रबंधन महाविद्यालय डा. बी.के. सिक्का द्वारा व्यक्तित्व विकास एवं व्यवहार कुशलता, कुलसचिव डा. के.के. सिंह द्वारा विश्वविद्यालय की शिक्षण प्रणाली, अधिष्ठाता कृषि डा. जे.पी. तिवारी द्वारा विश्वविद्यालय के अद्‌भुत सलाहकार प्रणाली, कार्यवाहक अधिष्ठाता पशुचिकित्सा डा. वी.के. तनवर द्वारा स्नातक पाठ्यक्रम की विशेषता, अधिष्ठाता स्नातकोत्तर डा. जे.के. सिंह द्वारा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों की विशेषता, अधिष्ठाता मत्स्य विज्ञान डा. ए.पी. शर्मा द्वारा विद्यार्थियों के आचारण एवं अनुशासन, अधिष्ठाता प्रौद्योगिकी डा. एम.पी. सिंह द्वारा छात्रावास जीवन, अधिष्ठाता गृह विज्ञान डा. रीता सिंह रघुवंशी द्वारा विश्वविद्यालय में सह शिक्षा, अधिष्ठाता मानविकी डा. बी.आर.के. गुप्ता द्वारा कृषि एवं सम्बन्धित विषयों की शिक्षा में आधारभूत विज्ञान की भूमिका, निदेशक सेवायोजन एवं परामर्श डा. यू.पी. सिंह द्वारा पंतनगर के विद्यार्थियों के लिए सेवायोजन की सम्भावनाएं तथा अधिष्ठाता छात्र कल्याण डा. ए.के. कर्नाटक द्वारा विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण क्रिया–कलापों के बारे में विद्यार्थियों को बताया गया। सभी व्याख्यानकर्ताओं ने अपने व्याख्यानों को रोचक बनाते हुए एल.सी.डी. के माध्यम से प्रस्तुत किया था जिससे लगभग 3 घण्टे तक चले प्रत्येक सत्र में छात्र–छात्राओं को नीरसता का अनुभव नहीं हुआ। कार्यक्रम का संचालन व अंत में धन्यवाद ज्ञापन डा. एस.के. कष्यप, सह–प्राध्यापक, कृषि संचार के किया।

नवागंतुक विद्यार्थियों को सम्बोधित करते कुलपति डा. बी.एस. बिष्ट